12-10-2021

सिंधु घाटी सभ्यता

प्रश्न : निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. वर्तमान सभ्यता/ संस्कृति के विकास में सिंधु घाटी सभ्यता की महत्वपूर्ण भूमिका जैसे नगरीकरण हेतु स्मार्ट सिटी की अवधारणा है।
2. 2350 ई. पू से 1750 ई. पू. के मध्य पश्चिम में सुतकागेडोर (बलुचिस्तान) पूर्वी स्थल आलमगीरपुर (उत्तर प्रदेश) उत्तरी स्थल मॉदा (जम्मू कश्मीर) तथा दक्षिणी स्थल दायमाबाद (महाराष्ट्र) क्षेत्र में विस्तृत सभ्यता को सिंधु घाटी सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता) के नाम से भी जानते हैं।
3. हड़प्पा रावी नदी के तट पर स्थित है, यह प्रथम सिंधु घाटी सभ्यता स्थल है, जिसकी खोज 1921 में दयाराम साहनी ने की।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) 01 और 02 (B) 02 और 03
(C) 01 और 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर :- (D) उपरोक्त सभी

भूमिका :-हाल ही में सिंधु घाटी सभ्यता स्थल धोलवीरा को यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल की श्रेणी में शामिल किया गया है।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- सिंधु घाटी सभ्यता नगरीय सभ्यता थी जो अपने एक उत्तर नगर नियोजन व्यवस्था के लिए प्रसिद्ध है।
- सिंधु घाटी सभ्यता 2350 ई. पू से 1750 ई. पू. के मध्य पश्चिम में सुतकागडोर (बलूचिस्तान) पूर्वी स्थल आलमगीरपुर (उत्तर प्रदेश) उत्तरी मॉदा (जम्मू-कश्मीर) तथा दक्षिणी स्थल दायमाबाद (महाराष्ट्र) क्षेत्र में विस्तृत सभ्यता को सिंधु घाटी सभ्यता के नाम से जानते है।
- मोहनजोदड़ो वर्तमान में सिंधु सभ्यता प्रांत में स्थित प्रमुख सिंधु घाटी सभ्यता स्थल जो अपने विशाल स्नानागार, विशाल अन्नागार, दाढ़ी वाली पुजारी एवं नृतकी की मूर्ति के लिए प्रसिद्ध है।
- घोलवीरा, भारत के गुजरात प्रांत स्थित यह सिंधु घाटी सभ्यता स्थल यूनेस्कों की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है। यह नगर अपने विशाल जलाशय में बांध और तटबंध के लिए प्रसिद्ध है।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS

- कालीबंगा राजस्थान स्थित यह स्थल चूड़ी का कारखाना खिलौना, अलंकृत ईटों आदि के लिए प्रसिद्ध है।
- लोथल यह गुजरात स्थित सिंधु घाटी सभ्यता सभ्यता का बंदरगाह नगर है, जहाँ से आग्नि की वेदिकायें, गोदी आधुनिक शतरंज के साक्ष्य प्राप्त हुये हैं।
- वर्तमान सभ्यता /संस्कृति के विकास में सिंधु घाटी सभ्यता की महत्वपूर्ण भूमिका। जैसे –नगरीकरण हेतु स्मार्ट सिटी की अवधारणा।

नासा का लुसी मिशन

प्रश्न : निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. लुसी मिशन बृहस्पति ट्रोजन क्षुद्रग्रहों का पता लगाने के लिए यह नासा का पहला मिशन है।
2. इस मिशन का उद्देश्य मिशन को विविध क्षुद्रग्रहों की संरचना को समझने के लिए डिजाइन किया है, जो ट्रोजन क्षुद्रग्रहों का एक हिस्सा है।
3. यह 12 साल से अधिक लंबा होने का अनुमान है, जिसके दौरान अंतरिक्ष यान "युवा सौर मंडल " की समक्ष को गहरा करने के लिए लगभग 6.3 बिलियन कि. मी. की दूरी को कवर करने वाले क्षुद्रग्रहों को दौरा करेगा।

उपरोक्त में से कौन–सा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) 01 और 02 (B) 02 और 03
(C) 01 और 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर :- (D) उपरोक्त सभी

भूमिका :–हाल ही में नासा में लुसी मिशन शुरू करने की घोषणा की हैं। इसे अगले हफ्ते लॉन्च किया जाएगा।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :–

- क्षुद्रग्रहों की मात्रा में सहायता करने के लिए ग्रह के गुरूत्वाकर्षण क्षेत्र का उपयोग करने के लिए अंतरिक्ष यान पृथ्वी से दो बार उड़ान भरेगा।
- 'लुसी मिशन', बृहस्पति ट्रोजन क्षुद्रग्रहों का पता लगाने के लिए यह नासा का पहला मिशन है।
- ट्रोजन क्षुद्रग्रह, इन क्षुद्रग्रहों को प्रारंभिक सौर मंडल के अवशेष माना जाता है, और उनका अध्ययन करने से वैज्ञानिकों को इसकी उत्पत्ति और विकास को समझने में मदद मिलेगी
- यह 12 साल से अधिक लंबा होने का अनुमान है, जिसके दौरान अंतरिक्ष यान "युवा सौर मंडल " की समक्ष को गहरा करने के लिए लगभग 6.3 बिलियन कि. मी. की दूरी को कवर करने वाले क्षुद्रग्रहों को दौरा करेगा।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS

- इस मिशन का उद्देश्य मिशन को विविध क्षुदग्रहों की संरचना को समझने के लिए डिजाइन किया गया है जो ट्रोजन क्षुद्रग्रहों का एक हिस्सा है।
- माना जाता है कि ट्रोजन क्षुद्रग्रहों का निर्माण उसी सामग्री से हुआ था जिसके कारण लगभग 4 अरब साल पहले सौर मंडल का निर्माण हुआ था।

उत्तर मुगल काल

प्रश्न : निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. हुमायूँ का मकबरा चारबाग पद्धति से निर्मित प्रथम स्मारक है। जिसमें दोहरी गुम्बद का भी प्रयोग किया गया है।
2. पानीपत का प्रथम युद्ध 1526 में बाबर ने इब्राहिम लोदी को पराजित कर मुगल वंश की नींव डाली।
3. हुमायूँ का पहला अभियान 1531 में कलिंजर के चंदेल शासक प्रतापरूद्रदेव के विरूद्ध था जिसे हुमायूँ ने पराजित किया।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) 01 और 02 (B) 02 और 03
(C) 01 और 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर :- (D) उपरोक्त सभी

भूमिका :- हाल ही में सफदरगंज एन्कलेव की पार्षद राधिका अबरोल के द्वारा दक्षिणी दिल्ली के हुमायूंपुर गांव का नाम बदलकर हनुमानपुर करने का प्रस्ताव रखा।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- पानीपत के प्रथम युद्ध 1526 में बाबर ने इब्राहिम लोदी को पराजित कर मुगल वंश की नींव डाली।
- बाबर की मृत्यु के पश्चात् मुगल बादशाह बना क्योंकि बाबर ने अपनी वसीयत में हूमायूं को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था।
- हुमायूं का पहला अभियान 1531 में कलिंजर के चंदेल शासक प्रतापरूद्रदेव के विरूद्ध था जिसे हुमायूं ने पराजित किया।
- 1539 में चौसा के युद्ध में शेरशाह ने हूमायूं को पराजित किया। गंगा तट पर कन्नौज के बिलग्राम में हूमायूं और शेरशाह के बीच निर्णायक युद्ध हुआ।
- हुमायूँ ने 1540 से 1555 तक निर्वासित जीवन व्यतीत किया और सरहिन्द के युद्ध में सिकन्दर सूर को पराजित कर हूमायूँ पुनः दिल्ली का शासक बना।
- हुमायूँ का मकबरा चारबाग पद्धति से निर्मित प्रथम स्मारक है। जिसमें दोहरी गुंबद का भी प्रयोग किया गया है।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS